Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

PJ-101

खगोलिय परिचय एंव फलित ज्योतिष हेतु आरंभिकगणित

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा / प्रमाण पत्र (डी0पी0जे0 / सी0पी0जे0)

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. काल गणना के विविध पक्षों का विस्तार से वर्णन करें।

P.T.O.

Q.2. सौर मण्डल क्या है? सभी ग्रहों पर प्रकाश डालते हुए बताएं की आंतरिक एंव बाह्म ग्रह क्या हैं?

Q.3. भचक्र की विस्तृत चर्चा करते हुए गण्डमूल नक्षत्रों के बारे में बताएं।

Q.4. लग्नसाधन की विधि सहित अवश्यकता बताएं।

Q.5. अंतर्दशा एंव विंशोत्तरी दशा का विस्तृत वर्णन करते हुए गणना विधि बताएं।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. योगिनी दशा का साधन करें।

Q.2. सप्तविंशांश का साधन करें।

Q.3. नवांश साधन विधि बताएं।

Q.4. ग्रह स्पष्ट क्या है? वक्री और मार्गी के बारे में निरूपित करें।

Q.5. षोडश वर्ग की परिचय दें।

Q.6. अश्विनी से मघा पर्यंत नक्षत्रों के जन्मफल के बारे में बताएं अथवा नक्षत्रों के स्वामि कौन–कौन से हैं।

Q.7. परिचय सहित तिथि एंव वार साधन के बारे में बताएं।

Q.8. पंचांग की आवश्यकता बताएं।

****